ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
डा० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)

बुलेटिन संख्या-६१
दिनांक-मंगलवार,१८ दिसम्बर,२०१८

टेलीफोन -०६२७४-२४०२६६

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेद्यशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः २५.३ एवं ११.१ डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता ७६ सुबह में एवं दोपहर में ६२ प्रतिशत, हवा की औसत गति २.४ कि०मी० प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण १.६ मि०मी० तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन ५.० घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा ५ से०मी० की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में १३.८ एवं दोपहर में २२.० डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में आमतौर पर मौसम शुष्क रहा, कहीं-कहीं हल्की वर्षा एवं कुछ क्षेत्रों में बूंदा-बूंदी हुई। सुबह में कुहासा देखा गया।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(१६ से २३ दिसम्बर, २०१८)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा०आर०पी०सी०ए०यू०, पूसा,समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी १६ से २३ दिसम्बर,२०१८ तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः-

- पूर्वानुमान की अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में आसमान में हल्के बादल रह सकते हैं। इस दौरान मौसम के शुष्क रहने का अनुमान है।
- अधिकतम तापमान २३ से २५ डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान ६ से ११ डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकती है। सुबह में कुहासा छा सकता है।
- औसतन ५ से १० कि०मी० प्रति घंटा की रफ्तार से पछिया हवा चलने की संभावना है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में करीब ८० से ८५ प्रतिशत तथा दोपहर में ५५ से ६५ प्रतिशत रहने की संभावना है।

• समसामयिक सुझाव

- गेहूँ की पिछात किस्मों की बुआई २५ दिसम्बर से पहले किसान समपन्न कर लें। इसके बाद बुआई करने पर उपज में कमी आ सकती है।
- गेहूँ की पिछात किस्मों के लिए *पी०बी०डब्लू० ३७३, एच०डी० २२८५, एच०डी० २६४३, एच०यू०डब्लू० २३४, डब्लू०आर० ५४४, डी०बी०डब्लू० १४, एन०डब्लू० २०३६, एच०डी० २६६७ तथा एच०डब्लू० २०४५* किस्में इस क्षेत्र के लिए अनुशसित हैं। प्रति किलोग्राम बीज को २.५ ग्राम बेबीस्टीन की दर से पहले उपचारित करें। पुनः बीज को क्लोरपायरिफॉस २० ई०सी० दवा का ८ मि०ली० प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचारित करें। छिटकवाँ विधि से बुआई के लिए प्रति हेक्टेयर १५० किलोग्राम तथा सीड ड्रील से पंक्ति में बुआई के लिए १२५ किलोग्राम बीज का व्यवहार करें।
- पिछात गेहूँ की खेत की तैयारी में ४० किलोग्राम नेत्रजन, ४० किलोग्राम फॉसफोरस एवं २० किलोग्राम पोटास प्रति हेक्टेयर की दर से खेत की जुताई में डालें। जिन क्षेत्रों में फसलों में जिंक की कमी के लक्षण दिखाई देती हो वैसे क्षेत्रों के किसान जुताई में जिंक सल्फेट २५ किलोग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करें।
- गेहुँ की जो फसल २१-२५ दिनों की हो गई हो, में सिंचाई कर प्रति हेक्टेयर ३० किलोग्राम नेत्रजन उर्वरक का व्यवहार करें।
- गेहूँ की फसल में पहली सिंचाई के बाद (रोपाई के ३० से ३५ दिन में) कई प्रकार के खर-पतवार उग आते है। जिनका विकास काफी तेजी से होता है और जो गेहूँ की बढ़वार को प्रभावित करती है। इन सभी प्रकार के खरपतवारों के नियंत्रन हेतु सल्फोसल्फयुरॉन ३३ ग्राम प्रति हेक्टर एवं मेटसल्फयुरॉन २० ग्राम प्रति हेक्टर दवा ५०० लीटर पानी में मिलाकर खड़ी फसल में पर छिड़काव करें।
- प्याज की रोपाई करे। इसके लिए खेत को समतल कर छोटी-छोटी क्यारियाँ बनावें। क्यारियों का आकार, चौड़ाई १.५ से २.० मीटर तथा लम्बाई सुविधानुसार ३-५ मीटर रखे। प्रत्येक दो क्यारियों के बीच जल निकासी के लिए नाले अवश्य बनावें। पाँक्ति से पाँक्ति की दुरी १५ से०मी०, पौध से पौध की दुरी १० से०मी० पर रोपाई करे।
- प्याज की खेत की तैयारी में १५ से २० टन गोबर की खाद, ६० किलोग्राम नेत्रजन, ८० किलोग्राम फॉसफोरस, ८० किलोग्राम पोटास तथा ४० किलोग्राम सल्फर प्रति हेक्टेयर का व्यवहार करें।
- आलू की फसल में निकौनी एवं आवश्यकतानुसार १०-१५ दिनों के अन्तराल में सिंचाई करें। आलू में कीट-व्याधी की नियमित रुप से निगरानी करें।
- सब्जियों में निकाई-गुड़ाई एवं आवश्यकतानुसार सिंचाई करें। सब्जियों की फसल जैसे मटर, टमाटर, बैगन, मिर्च में फल छेदक कीट का प्रक्रोप दिखने पर स्पिनोसेड ४८ ई०सी०@ १ मि०ली० प्रति ४ ली० पानी या क्वीनलफॉस २५ ई०सी० दवा का १.५ से २ मि०ली० प्रति लीटर की दर से छिड़काव करें।
- दुधारु पशुओं के रख-रखाव एवं खान पान पर विशेष घ्यान दें। खाने में प्रोटीन की मात्रा बढ़ा दें। निम्न तापमान के कारण दुधारु पशुओं के दुध में आयी कमी को दूर करनें के लिए नियमित रुप से दाने के साथ कैल्सियम खिलायें। पशुओ को रात में खुले स्थान पर नहीं रखें। बिछावन के लिए सुखी घास या राख का उपयोग करें। दुधारु पशुओं को लिवरफ्लूक संक्रमण से वचाव हेतु धान का पुआल नहीं खिलावें। अगर पशुओं मे दस्त, निचले जबड़े में सुजन जैसी लक्षण दिखाई दे तो ट्राकाबेन्डाजोल दवा खिलाएँ।

आज का अधिकतम तापमानः २३.० डिग्री सेल्सियस, सामान्य से १.१ डिग्री कम	आज का न्यूनतम तापमानः १४.० डिग्री सेल्सियस, सामान्य से ५.० डिग्री अधिक

(डॉ० ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी